

17/9/24

वकुलाय उपर। वही वकील हाय विवेक  
 किया कि पत्रकोप का आकार के शक्तिमान  
 हो गया है। अतः बाद पत्र का आकार  
 नही खबोना चाहते है। अतः बाद-पत्र  
 को नोट-पत्र में खासि रील में लिखी  
 किया। हमें वकील वाकी का खुला तथा  
 पत्रावली का अध्ययन किया गया। बाद  
 में पत्रकोप का रोजीन होने से एक पत्रावली  
 का आगे खबोना जाना उचित नही समझते  
 है। जिस रील में वाकी का बाद-नोट-  
 पत्रकोप ~~खासि~~ किया जाया है। पत्रावली  
 के लिये ~~अनुमति~~ का ~~पत्र~~ ले कर दिया। बाद  
 प्रति दाखिल दायर है।

17/9/24  
 17/9/24

नपरखण्ड अधिकारी  
 रोड (कोटपूतली-बहरोड)

मिडलमैन इण्डिया